साहित्यिक–सांस्कृतिक परिषद्
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

प्रो0 नीलू जैन गुप्ता
अध्यक्ष

प्रो0 के0के0 शर्मा
समन्वयक

दिनांक : 22.06.2026

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

विषय : भारत सरकार सं0 11014 / 15 / 2026–रा.भा. (पत्रिका) दिनांक 16.06.2026 के अनुसार **हिंदी दिवस, 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की 'स्मारिका'** के लिए लेख प्रेषित करने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

अवगत कराना है कि उक्त विषयान्तर्गत माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार करने के उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में हिंदी दिवस, 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 14–15 सितंबर, 2026 को नवी मुंबई (महाराष्ट्र) में किया जाएगा। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा एक विशेष स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

2. **'हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन'** के उपलक्ष्य में प्रकाशित होने वाली उपर्युक्त स्मारिका को 'वंदे मातरम्' विषय पर केन्द्रित विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिसके लिए राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम् के महत्व को प्रतिपादित करने वाले निम्नलिखित विषयों पर सरल और सहज हिंदी में उत्कृष्ट लेख/शोध आलेख आमंत्रित किए जाते हैं :

1. **'वंदे मातरम्' गीत की रचना: परिस्थितियाँ और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि;**
2. **बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय: व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्रभावना;**
3. **भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में 'वंदे मातरम्' गीत की प्रेरक भूमिका (कालक्रम अनुसार);**
4. **'वंदे मातरम्' : गुलामी के विरुद्ध वैचारिक जागृति का उद्‌घोष;**
5. **वंदे मातरम् और हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना;**
6. **भारतीय भाषाओं में वंदे मातरम् की अभिव्यक्ति;**
7. **राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' और भारतीय भाषाई एकात्मता;**
8. **'वंदे मातरम्': राष्ट्रीय एकता, भाषा और संस्कृतियों का सेतु;**
9. **भारतीय कला, संगीत और रंगमंच में 'वंदे मातरम्';**
10. **आधुनिक भारत में 'वंदे मातरम्' गीत की प्रासंगिकता;**

11. 'वंदे मातरम्' : राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और आत्मगौरव का प्रतीक;

12. युवा पीढ़ी और 'वंदे मातरम्': वर्तमान परिप्रेक्ष्य।

उक्तानुसार समस्त विभागों से अनुरोध है कि स्मारिका में प्रकाशन के लिए लेखों के चयन के संबंध में अंतिम निर्णय राजभाषा विभाग का होगा। लेख यूनिकोड आधारित फॉन्ट में टाइप किए हुए, व्याकरणिक एवं तथ्यात्मक दृष्टि से सही तथा अधिकतम 3000 शब्दों तक हो सकते हैं। शोध से जुड़े लेखों में शब्द–सीमा 5000 शब्दों तक हो सकती है। लेखक अपने नाम, पता, ईमेल, फोटो एवं संपर्क नंबर सहित कृपया इस आशय का एक स्व हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र भी अनिवार्य रूप से संलग्न करें कि लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है और इसे अन्यत्र प्रकाशनार्थ नहीं भेजा गया है। प्रकाशित लेखों पर राजभाषा विभाग का कॉपीराइट होगा।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त संबंध हेतु साहित्यिक–सांस्कृतिक परिषद् की ई–मेल आई डी– sahityiksanskritikparishad@gmail.com पर दिनांक 19.07.2026 तक आवश्यक रूप से उपलब्ध करायें। जिससे **हिंदी दिवस, 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की 'स्मारिका'** के लिए लेख प्रेषित किया जा सके।

प्रो0 के0के0 शर्मा

समन्वयक

[illegible]िक–सांस्कृतिक परिषद्

[illegible] चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

(पूर्ववर्ती मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ)